# HCC

**सेमेस्टर-1**

**( 1.1 )**

## HCC-1 : हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास

### इकाई-1 : हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका

- भारोपीय भाषा-परिवार एवं अर्थभाषाएँ (संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
- हिंदी का आरंभिक रूप
- 'हिंदी' शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
- हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिककाल)

### इकाई-2 : हिंदी भाषा का क्षेत्र एवं विस्तार

- हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ
- हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क-भाषा, संचार भाषा)
- हिंदी का अखिल भारतीय स्वरूप
- हिंदी का अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ

### इकाई-3 : लिपि का इतिहास

- भाषा और लिपि का अंत:संबंध
- परिभाषा, स्वरूप एवं आवश्यकता
- लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि-लिपि)
- भारत में लिपि का विकास

### इकाई-4 : देवनागरी लिपि

- देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
- देवनागरी लिपि और कम्प्यूटर

***<u>सहायक ग्रंथ</u>***


- हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा
- भारतीय पुरालिपि – डॉ. रामबलि पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)
- हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
- हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल
- लिपि की कहानी – गुणाकर मुले
- भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

<u>सेमेस्टर-1</u>

<u>( 1.2 )</u>

## HCC-2 : हिंदी कविता ¼आदिकालीन एवं भfäकालीन काव्य½

<u>पाठ-सामग्री</u>

**इकाई-1 ( क ) अमीर खुसरो** – अमीर खुसरो (व्यक्तित्व और कृतित्व) डॉ॰ परमानंद पांचाल

**कव्वाली** – घ (1)

**गीत** – ङ. (4) (13)

**दोहे** – च (पृष्ठ 86); 5 दोहे

(1) गोरी लोने (2) खुसरो रैन (3) देख मैं (4) चकवा चकवी (5) सेज सूनी

**( ख ) विद्यापति** – विद्यापति की पदावली, संपा. आचार्य श्रीरामलोचन शरण

**वंदना** - 1 राधा की वंदना

**श्रीÑष्ण का प्रेम** - 35 (प्रेम-प्रसंग)

**राधा का प्रेम** - 36

**इकाई-2 ( क ) कबीरदास** - कबीर ग्रंथावली, संपा. डॉ. माता प्रसाद गुप्त
(लोकभारती प्रकाशन; प्रथम संस्करण; फरवरी, 1969)

साँच कौ अंग (साखी 2, 16)
धर्म विद्यौसण कौ अंग (1, 10)
भेष कौ अंग (2, 12)

सधा साषीभूत कौ अंग (3, 4)
सरग्राही कौ अंग (3,4)
संग्रथाई कौ अंग (9)
– पद संख्या 64 – काहे री नलिनी . . .
– पद संख्या 66 – अब का करूँ . . .

**( ख ) मंझन** – मंझन-कृत 'मधुमालती'; संपा. माता प्रसाद गुप्त

**<u>नख-f'ाख वर्णन</u>**

1. केश वर्णन (79)
2. नासिका वर्णन (83)
3. अधर वर्णन (87)
4. अतिसरूप . . .  (94)
5. त्रिबली वर्णन (97)

**इकाई-3 (क) सूरदास :** सूरसागर सार : धीरेन्द्र वर्मा; (साहित्य भवन (प्रा.) लिमिटेड, जीरो रोड, इलाहाबाद-211003; अष्टम संस्करण सन् 1990)

**पद संख्या –** 25 (मेरो मन अनत . . .) विनय तथा भक्ति
7 (जसोदा हरि पालने . . .) गोकुल-लीला
18 (शोभित कर . . . ) गोकुल-लीला
141 (ऊधो मन माने . . .) उद्धव-संदेश
1 (खेलत हरि निकसे . . .) राधा-कृष्ण
158 (अति मलीन . . .) उद्धव-संदेश

**(ख) मीराबाई की पदावली (** संपा. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मेलन; प्रयाग, बाइसवाँ संस्करण 2008 ई.)

**पद संख्या –** 5 (तनक हरि चितवाँ . . .)
14 (आली री म्हारे . . .)
19 (माई साँवरे रँग राँची . . .)
22 (माई री म्हा नियाँ . . .)
36 (पग बाँधा घूँघर्‍याँ . . .)
70 (हेरी म्हा तो दरद दिवाँणी . . .)

**इकाई-4** **गोस्वामी तुलसीदास** (श्रीरामचरितमास, गीताप्रेस, गोरखपुर; संस्करण 2052; चौहत्तरवाँ संस्करण)

(दोहा संख्या 26 से दोहा संख्या 31 तक)

पूँछ बुझाइ खोइ श्रम . . . भुजबल खल दल जीति।।

**विनयपत्रिका** (गीताप्रेस, गोरखपुर; संस्करण संख्या 2055)

पद संख्या 105, 111, 162

**कवितावली** (गीताप्रेस, गोरखपुर, संस्करण संख्या 2052; छत्तीसवाँ संस्करण)

– बालकांड – छंद संख्या-1

– अयोध्याकांड – छंद संख्या 22

- उत्तरकांड – छंद संख्या 96, 106

***<u>सहायक ग्रंथ :</u>***


- कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी
- सूरदास - रामचंद्र शुक्ल
- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय
- गोस्वामी तुलसीदास - रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका - रामपूजन तिवारी
- कबीर की विचारधारा - गोविंद त्रिगुणायत
- कबीर - संपा. विजयेंद्र स्नातक
- सूर और उनका साहित्य - हरवंशलाल शर्मा
- सूरदास - ब्रजेश्वर वर्मा
- निर्गुण काव्य में नारी – अनिल राय
- तुलसी-काव्य-मीमांसा - उदयभानु सिंह
- मध्ययुगीन प्रेमाख्यानक - श्याम मनोहर पाण्डेय
- सूफी कविता की पहचान - यश गुलाटी
- मीरा : जीवन और काव्य - सी.एल. प्रभात
- आलोचना का नया पाठ : गोपेश्वर सिंह
- मीरा का काव्य : डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
- राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य : कैलाश नारायण तिवारी
- मध्यकालीन कृष्ण 'काव्य की सौंदर्यचेतना' : पूरनचंद टंडन

**<u>सेमेस्टर-2</u>**

**<u>( 2.1 )</u>**

## <u>HCC-3 : हिंदी साहित्य का इतिहास ¼आदिकाल और मध्यकाल½</u>

**इकाई-1 : हिंदी साहित्य : इतिहास-लेखन**

- हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा का परिचय
- हिंदी साहित्य : काल-विभाजन एवं नामकरण

**इकाई-2 : आदिकाल**

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, परिवेश और साहित्यिक पृ  ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य

**इकाई-3 : भक्तिकाल ( पूर्वमध्यकाल )**

- भक्ति-आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल की धाराएँ :

(1) निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेममार्गी सूफी शाखा)

(2) सगुण धारा (रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा)

(3) अन्य काव्य

**इकाई-4 : रीतिकाल ( उत्तर मध्यकाल )**

- युगीन-पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक-सांस्कृतिक-आर्थिक परिवेश, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
- काव्य-प्रवृत्तियाँ

(1) रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध

(2) रीतिमुक्त काव्य

(3) वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य

***<u>सहायक ग्रंथ :</u>***


- हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का अतीत – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा. नगेन्द्र
- हिंदी साहित्य का अदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय
- मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध – मुकेश गर्ग
- भक्ति आन्दोलन के सामाजिक आधार – संपा. गोपेश्वर सिंह
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ : संपा. अनिल राय

**सेमेस्टर-2**

**( 2.2 )**

## HCC-4 : हिंदी कविता ¼रीतिकालीन काव्य½

**पाठ-सामग्री**

**इकाई-1**

1. केशवदास – कविप्रिया (प्रिया प्रकाश, ला. भगवानदीन)
   छंद संख्या – तीसरा प्रभाव (1, 2, 4, 5)
   पाँचवाँ प्रभाव (1, 10)
   छठा प्रभाव (56, 66, 69)

2. रहीम (अब्दुर्रहीम खानखानाँ) – रहीम ग्रंथावली, संपादक : विद्यानिवास मिश्र, गोविंद रजनीश

   दोहावली – छंद संख्या 38, 49, 87, 126, 130, 166, 167, 175, 180, 212, 220, 222

**इकाई-2**

3. बिहारी – बिहारी-रत्नाकर : प्रणेता श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर', शिवाला, वाराणसी

   छंद संख्या – 1, 62, 103, 127, 128, 143, 180, 347, 363, 388

**इकाई-3**

4. घनानंद – घनानंद (ग्रंथावली); संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र; वाणी वितान; बनारस-1

   सुजानहित (1, 4, 7, 18, 19, 38, 41, 49, 54)

**इकाई-4 ( क )**

5. भूषण – शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

   छंद संख्या – 50, 104, 411, 420, 443, 512, 515

**इकाई-4 ( ख )**

6. गिरिधर कविराय – गिरिधर कविराय ग्रंथावली; संपा. डॉ. किशोरीलाल गुप्त
   छंद संख्या 11, 16, 36, 70, 71, 89, 99

***<u>सहायक ग्रंथ :</u>***


- देव और उनकी कविता – नगेंद्र
- बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- गिरिधर कविराय (ग्रंथावली) - सं. किशोरीलाल गुप्त
- घनानंद और स्वच्छंदतावादी काव्यधारा - मनोहरलाल गौड़
- रीतिकाव्य की भूमिका - नगेंद्र
- कविवर बिहारीलाल और उनका युग - रणधीर प्रसाद सिन्हा
- भूषण और उनका साहित्य - राजमल बोरा
- हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास - रामस्वरूप शास्त्री
- हिंदी साहित्य का उत्तरमध्यकाल : रीतिकाल - महेंद्र कुमार
- हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास, भाग-6 - संपा. नगेंद्र
- द्विजदेव और उनका काव्य - अंबिकाप्रसाद वाजपेयी
- घनानंद ग्रंथावली - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- सनेह को मारग - इमरै बंघा
- आर्या सप्तशती और बिहारी सतसई का तुलनात्मक अध्ययन - कैलाश नारायण तिवारी
- हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) - पूरनचंद टंडन

**सेमेस्टर-3**

**( 3.1 )**

## HCC-5 : हिंदी साहित्य का इतिहास ¼आधुनिक काल½

**इकाई-1**

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ नवजागरण और भारतेंदु) नवजागरण की परिस्थितियाँ और भारतेंदु युग
- महावीर प्रसाद द्विवेदी : हिंदी पत्रकारिता और खड़ी बोली आंदोलन
- स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरणकालीन-चेतना का उत्कर्ष

**इकाई-2**

- नाटक, निबंध और आलोचना
- कथा साहित्य
- नाटक
- निबंध और अन्य गद्य विधाएँ
- आलोचना

**इकाई-3**

- छायावाद और उत्तर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- उत्तर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- नयी कविता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ

**इकाई-4**

- साठोत्तरी कविता, नवगीत, नवें दशक की कविता, समकालीन कविता
- समकालीन कथा साहित्य : उपन्यास और कहानी
- आलोचना और अन्य गद्य-रूप

- अस्मिता विमर्श – दलित, स्त्री

***<u>सहायक ग्रंथ</u>***


- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह
- भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
- हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी
- छायावाद – नामवर सिंह
- तारसप्तक (पहला संस्करण और दूसरा संस्करण) और दूसरा सप्तक की भूमिकाएँ – संपा. अज्ञेय
- हिंदी नवगीत : उद्‌भव और विकास - राजेन्द्र गौतम
- समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा. नगेन्द्र
- हिंदी नाटक : नई परख - संपा. रमेश गौतम
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा

**सेमेस्टर-3**

**( 3.2 )**

## HCC-6 : हिंदी कविता ¼आधुनिक काल छायावाद तक½

**इकाई-1**

1. मैथिलीशरण गुप्त

**इकाई-2**

2. जयशंकर प्रसाद

**इकाई-3**

3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

**इकाई-4**

4. रामधारी सिंह दिनकर
5. सुभद्रा कुमारी चौहान

**रचनाए :**

1. **मैथिलीशरण गुप्त** – यशोधरा (चुने हुए अंश)
   - सिद्धार्थ
   - महाभिनिष्क्रमण
   - सखी वे मुझसे कहकर जाते . . . 5, 6, 7, 8, 9
   - अब कठोर, हो वज्रादपि . . . 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14
   - मानिनि, मान तजो लो, रही तुम्हारी बान
   - दीन न हो गोपी

2. **जयशंकर प्रसाद** – उठ-उठ री लघु, मधुप गुनगुना कर, तुम्हारी आँखों का बचपन, अरे कहीं देखा है तुमने, अरी वरुणा की भाांत कछार, ले चल मुझे भुलावा देकर, अशोक की चिंता

**3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** – संध्यासुन्दरी, बादल राग : छह, वह तोड़ती पत्थर, खेत जोत कर घर आए हैं, बांधो न नाव, स्नेह निर्झर, वर दे, मैं अकेला/देखता हूँ आ रही मेरे जीवन की सांध्य बेला, दुरित दूर करो नाथ, अशरण हूँ गहो हाथ

**4. रामधारी सिंह दिनकर** – 'रश्मिरथी' : तीसरे सर्ग से कृष्ण-कर्ण संवाद

**5. सुभद्राकुमारी चौहान** – ठुकरा दो या प्यार करो, वीरों का कैसा हो बसन्त, मुरझाया फूल, मेरे पथिक, झाँसी की रानी की समाधि पर, अनोखा दान, बालिका

***<u>सहायक ग्रंथ</u>***


- जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
- मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन – नगेंद्र
- निराला की साहित्य-साधना – रामविलास शर्मा
- युगचारण दिनकर – सावित्री सिन्हा
- हिन्दी स्वच्छंदतावादी काव्यधारा – प्रेमशंकर
- मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत:सूत्र – कृष्णदत्त पालीवाल
- जयशंकर प्रसाद – प्रेमशंकर
- अनकहा निराला – आ. जानकीवल्लभ शास्त्री
- निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह
- निराला काव्य की छवियाँ – नंदकिशोर नवल
- रामधारी सिंह दिनकर – विजयेंद्र नारायण सिंह
- छायावाद – नामवर सिंह
- त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत) – आ. जानकीवल्लभ शास्त्री
- आधुनिक हिंदी कविता में बिंब-विधान – केदारनाथ सिंह
- दृष्टिपात – राजेन्द्र गौतम
- 'कल्पना' का 'उर्वशी'-विवाद – संपा. गोपेश्वर सिंह
- उत्तरछायावादी काव्यभाषा – हरिमोहन शर्मा

**सेमेस्टर-3**

**( 3.3 )**

# HCC-7 : हिंदी कहानी

**इकाई-1**

1. उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. पूस की रात – प्रेमचंद
3. छोटा जादूगर – प्रसाद

**इकाई-2**

4. पाजेब – जैनेन्द्र कुमार
5. तीसरी कसम – फणी वरनाथ रेणु
6. चीफ की दावत – भीश्म साहनी

**इकाई-3**

7. परिन्दे – निर्मल वर्मा
8. दोपहर का भोजन – अमरकांत
9. सिक्का बदल गया – कृश्णा सोबती

**इकाई-4**

10. जंगल जातकम् – का ीनाथ सिंह
11. वापसी – उषा प्रियंवदा
12. घुसपैठिये – ओमप्रका ा बाल्मीकि

***सहायक ग्रंथ***


- संकलित निबंध – नलिन विलोचन शर्मा
- 'एक दुनिया समानान्तर' – राजेन्द्र यादव
- 'कहानी : नई कहानी' नामवर सिंह
- नई कहानी की भूमिका – कमले वर
- हिंदी कहानी का इतिहास – गोपाल राय

- हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र
- हिंदी कहानी की रचना-प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव
- अपनी बात – भीष्म साहनी
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी
- प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा
- साहित्य से संवाद - गोपेश्वर सिंह
- कुछ कहानियाँ : कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी
- कथावीथी – हरिमोहन भार्मा और राजेन्द्र गौतम
- हिंदी कहानी का पहला दशक – संपा. भवदेव पाण्डेय
- हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
- हमसफरनामा – स्वयं प्रकाश
- समय और साहित्य – विजय मोहन सिंह
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेंद्र चौधरी

**सेमेस्टर-4**

**( 4.1 )**

## HCC-8 : भारतीय काव्यशास्त्र

**इकाई-1**

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा (आचार्य भरतमुनि से पंडितराज जगन्नाथ तक)
2. काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन

**इकाई-2**

3. रस : स्वरूप और लक्षण, रस के अंग तथा रस के भेद
4. शब्द-शक्तियाँ
5. गुण एवं दोष : लक्षण और भेद

**इकाई-3**

6. अलंकार : लक्षण और भेद

भाब्दानुप्रास : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति।

अर्थशब्दानुप्रास : उपमा, रूपक, अपह्नुति, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, निदर्शना, व्यतिरेक, विरोधाभास, विभावना, विशेषोक्ति, अत्युक्ति।

7. छन्द

(क) समवर्णिक – भुजंगप्रयात, द्रुतविलम्बित, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीड़ित, सवैया (भेद सहित), घनाक्षरी।
(ख) सममात्रिक – उल्लाला, चौपाई, रोला, हरिगीतिका।

(ग) अर्द्ध-सममात्रिक – बरवै, दोहा, सोरठा
(घ) विषम सममात्रिक – कुंडलिया, छप्पय।

**इकाई-4**

8. काव्य-रूप : दृश्यकाव्य (रूपक) एवं उपरूपक, श्रव्यकाव्य : पद्य, गद्य, चम्पू, प्रबंध एवं मुक्तक

***<u>सहायक ग्रंथ</u>***


- काव्य दर्पण – रामदहिन मिश्र
- रस मीमांसा – आचार्य रामचंद शुक्ल
- काव्य मीमांसा – ती.न. श्रीकण्ठैय्या
- रस-सिद्धांत – नगेन्द्र
- साहित्य-सहचर – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भारतीय काव्यशास्त्र : सुबोध विवेचन – सत्यदेव चौधरी
- काव्यतत्त्व विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी
- सिद्धांत और अध्ययन – बाबू गुलाबराय
- साहित्य-सिद्धांत – रामअवध द्विवेदी
- काव्य के तत्त्व – देवेन्द्रनाथ शर्मा
- काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
- साधारणीकरण और काव्यास्वाद – राजेन्द्र गौतम
- साहित्य का स्वरूप – नित्यानंद तिवारी
- भारतीय आलोचनाशास्त्र – राजवंश सहाय 'हीरा'

**सेमेस्टर-4**

**( 4.2 )**

## HCC-9 : हिंदी कविता ¼छायावाद के बाद½

**इकाई-1** **( क )** अज्ञेय : कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, साम्राज्ञी का नैवेद्यदान, सांप --स्रोतः चुनी हुई कविताएं, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली

**( ख )** नागार्जुन : अकाल और उसके बाद, गुलाबी चूड़ियां, सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, --स्रोत : प्रतिनिधि कविताएं (नागार्जुन), संपा. नामवर सिंह; राजकमल, दिल्ली

**इकाई-2** **( क )** रघुवीर सहाय : स्वाधीन व्यक्ति, अधिनायक, रामदास, आपकी हँसी, --स्रोत : रघुवीर सहाय रचनावली, भाग-1, संपा. सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

**( ख )** केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में, स्रोत : यहां से देखो, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली; पानी की प्रार्थना, समूहगान, बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर, स्रोत : तालस्तॉय और साइकिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

**इकाई-3** **( क )** धूमिल : मोचीराम, --स्रोत : संसद से सड़क तक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

**( ख )** शंभुनाथ सिंह : पगडंडी --स्रोत : नवगीत अर्द्धशती, पराग प्रकाशन, दिल्ली; देश हैं हम राजधानी नहीं, पास आना मना दूर जाना मना, मन का आकाश उड़ा जा रहा --स्रोत : वक्त की मीनार पर, पराग प्रकाशन दिल्ली

**इकाई-4** **( क )** राजेश जोशी – बच्चे काम पर जा रहे हैं, मारे जाएंगे, आदमी के बारे में, उसकी गृहस्थी (नेपथ्य में हंसी एवं दो पंक्तियों के बीच से)

**( ख )** अरुण कमल – नये इलाके में, उधर के चोर, अपनी केवल धार, देवभाषा

***सहायक ग्रंथ***

- कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह
- नयी कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा
- आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव
- समकालीन काव्य-यात्रा - नन्दकि ोर नवल
- कविता की जमीन और जमीन की कविता - नामवर सिंह
- समकालीन हिंदी कविता - रवींद्र भ्रमर

- उत्तरछायावादी काव्यभाषा - हरिमोहन शर्मा
- सुन्दर का स्वप्न - अपूर्वानन्द
- समकालीनता और साहित्य - राजेश जोशी
- आधुनिक कविता-यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन - केदार शर्मा
- हिंदी नवगीत : उद्‌भव और विकास - राजेंद्र गौतम
- हिंदी नवगीत-युगीन संदर्भ - रामनारायण पटेल
- नयी कविता और उसका मूल्यांकन - सुरेशचंद्र सहल
- आलोचना का नया पाठ – गोपेश्वर सिंह
- नयी कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा
- छठवाँ दशक – विजयदेव नारायण साही

**सेमेस्टर-4**

**( 4.3 )**

## HCC-10 : हिंदी उपन्यास

| | | | |
|---|---|---|---|
| **इकाई-1 :** | प्रेमचंद | : | कर्मभूमि |
| **इकाई-2 :** | जैनेन्द्र | : | सुनीता |
| **इकाई-3 :** | यशपाल | : | दिव्या |
| **इकाई-4 :** | मन्नू भंडारी | : | आपका बंटी |

***सहायक ग्रंथ***

- प्रेमचन्द : उपन्यास सम्बन्धी निबन्ध ('विविध प्रसंग भाग-3')
- प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
- उपन्यास और लोकजीवन – रॉल्फ फॉक्स
- हिंदी उपन्यास – संपा. भीष्म साहनी भगवती प्रसाद निदारिया
- कथा समय में तीन हमसफर – निर्मला जैन
- हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र
- प्रेमचंद : एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान
- उपन्यास का उदय – इयान वॉट
- उपन्यास के पहलू – ई.एम.फोस्टर
- विविध प्रसंग – प्रेमचंद
- कलम का सिपाही – अमृत राय
- कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा
- आस्था और सौंदर्य – रामविलास शर्मा
- प्रेमचंद – संपा. डॉ. सत्येन्द्र
- सृजनशीलता का संकट – नित्यानंद तिवारी
- हिंदी उपन्यास – संपा. नामवर सिंह
- आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय

**सेमेस्टर-5**

**( 5.1 )**

## HCC-11 : पा'चात्य काव्यशास्त्र

**इकाई-1**

½क½ **अरस्तू** - अनुकरण-संबंधी मान्यता, विरेचन, त्रासदी विवेचन

½ख½ **लोंजाइनस** - उदात्त-संबंधी मान्यता

**इकाई-2**

½क½ **कॉलरिज** - कविता और काव्य-भाषा संबंधी मान्यता, कल्पना-सिद्धांत

½ख½ **टी.एस. इलियट** - परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वेयक्तिक काव्य का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ सह-संबंध

**इकाई-3**

सामान्य परिचय : स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद

**इकाई-4**

बिम्ब, प्रतीक, विसंगति, विडम्बना, फैंटेसी, मिथक

***सहायक ग्रंथ :***


- साहित्य सिद्धान्त - रामअवध द्विवेदी
- साहित्य सिद्धान्त - रेनेवेलक ऑस्टिन वारेन (अनुवाद)
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा
- हिंदी साहित्य कोश - संपा. धीरेन्द्र वर्मा
- चिन्तामणि - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- आस्था के चरण - नगेंद्र
- कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह
- पाश्चात्य साहित्य-चिंतन - निर्मला जैन

- हिंदी आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह
- एक साहित्यिक की डायरी – मुक्तिबोध
- आलोचना से आगे – सुधीश पचौरी
- मिथकीय अवधारणा और यथार्थ – रमेश गौतम

**सेमेस्टर-5**

**( 5.2 )**

## HCC-12 : हिन्दी नाटक/एकांकी

| | | |
|---|---|---|
| **इकाई-1** | : | भारत दुर्दशा – भारतेन्दु |
| **इकाई-2** | : | ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद |
| **इकाई-3** | : | बकरी – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना |
| **इकाई-4** | : | दीपदान – रामकुमार वर्मा |
| | | स्ट्राइक – भुवनेश्वर |
| | | सूखी डाली – उपेन्द्रनाथ अश्क |
| | | तीन अपाहिज – विपिन कुमार अग्रवाल |

***सहायक ग्रंथ***

- नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना – सत्येंद्र तनेजा
- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – संपा. नेमिचंद जैन
- हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार
- हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा
- हिंदी के प्रतीक नाटक – रमेश गौतम
- हिन्दी नाटकों में विद्रोह की परम्परा – किरणचंद भार्मा
- जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन – विनोद शाही
- प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक
- हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी
- नई रंगचेतना और हिंदी नाटककार – जयदेव तनेजा
- नई रंगचेतना और बकरी – कुसुम लता
- एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेंद्र

**सेमेस्टर-6**

**( 6.1 )**

## HCC-13 : हिन्दी आलोचना

**इकाई-1 :** हिन्दी आलोचना की परम्परा का विकास भारतेन्दु युग - बालमुकुन्द गुप्त तक

**इकाई-2 :** द्विवेदीयुगीन आलोचना के पाठों का अध्ययन : महावीरप्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल काव्य में लोकमंगल, प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य

**इकाई-3 :** छायावादयुगीन आलोचना
प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद, हजारीप्रसाद द्विवेदी - आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएँ, नगेन्द्र : मेरी साहित्यिक मान्यताएं

**इकाई-4 :** रामविलास शर्मा – तुलसी साहित्य में सामन्त-विरोधी मूल्य, नामवर सिंह - कहानी : नई और पुरानी, अज्ञेय, मुक्तिबोध, नई कविता का आत्मसंघर्श

***सहायक ग्रंथ :***

- चिन्तामणि - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- आस्था के चरण - नगेंद्र
- कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह
- पाश्चात्य साहित्य-चिंतन - निर्मला जैन
- हिंदी आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह
- एक साहित्यिक की डायरी - मुक्तिबोध
- आलोचना से आगे - सुधीश पचौरी
- हिंदी गद्य, विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- दूसरी परंपरा की खोज - नामवर सिंह
- हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी
- आलोचना का नया पाठ - गोपेश्वर सिंह
- संकलित निबंध - नलिन विलोचन शर्मा
- हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल
- आस्था और सौन्दर्य - रामविलास शर्मा

**सेमेस्टर-6**

**( 6.2 )**

## HCC-14 : हिंदी निबन्धे और अन्य गद्य विधाए

**इकाई-1 निबंधे**

बालकृष्ण भट्ट - जुबान
बालमुकुंद गुप्त - मेले का ऊँट, राजकमल प्रकाशन, 1988
सरदार पूर्ण सिंह - आचरण की सभ्यता, अध्यापक पूर्ण सिंह निबंधावली, सं. रामअवध शास्त्री, कंचन पब्लिकेशन, 198/58 रमेश मार्केट, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली-06 (1993)
रामचंद्र शुक्ल - लोभ और प्रीति, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, चिंतामणि

**इकाई-2 निबंधे**

हजारीप्रसाद द्विवेदी - कुटज
विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
हरिशंकर परसाई - वैष्णव की फिसलन
कुबेरनाथ राय - रस आखेटक

**इकाई-3 जीवनी/आत्मकथा**

पांडेय बेचन शर्मा - अपनी खबर, आत्माराम एंड संस
रामविलास शर्मा - 'निराला की साहित्य साधना' भाग-1 से 'नए संघर्ष'
शीर्षक अध्याय

**इकाई-4 संस्मरण/रेखाचित्र/यात्रा-वृत्तांत**

- संस्मरण : अज्ञेय के साथ - आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री, 'हंसबलाका' से
- रेखाचित्र : सुभान खाँ - रामवृक्ष बेनीपुरी, माटी की मूरतें, ग्रंथावली से
- यात्रा वृत्तांत : राहुल सांकृत्यायन अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

***सहायक ग्रंथ*** :

- हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी

- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी आत्मकथा : सिद्धान्त और स्वरूप–विश्लेषण – विनीता अग्रवाल
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- भारतेंदु युग – रामविलास शर्मा
- छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य – हरदयाल
- गद्यकार आचार्य जानकीवल्लभ भाास्त्री – पाल भसीन
- साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह
- निबंधों की दुनिया – विजयदेव नारायण साही, प्र.सं. – निर्मला जैन, सं. हरिमोहन शर्मा